स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड

तिमाही वृतांत
अप्रैल - जून'2021

संपादक की कलम से:

2021 - 22 की पहली तिमाही में कोविड की दूसरी लहर मानव जाति के लिए बड़ी त्रासदी बन कर आई । देश भर के चिकित्सालयों में कोविड पीड़ित रोगियों की भरमार देखी गई।

SVHM सोसाइटी ने कोविड की इस दूसरी लहर में तेजी से कार्रवाई करते हुए अपने चार चिकित्सालयों को कोविड और कोविड जैसी बीमारी से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए परिवर्तित कर दिया। उल्लेखनीय यह है कि SVHM सोसाइटी के किसी भी चिकित्सालय ने किसी भी समय, ओपीडी/या आपात स्थिति में कोविड या कोविड जैसी बीमारी से पीड़ित किसी भी रोगी को वापस नहीं किया।

सुदूर पहाड़ी, ग्रामीण और शहर के बाहरी क्षेत्र के निवासियों की पीड़ा को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी के चिकित्सालयों ने इन क्षेत्रों में नियमित सामुदायिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए तथा रोगियों को अति आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की। एक अनूठी उपलब्धि भी हासिल हुई जब हमारी पीपलकोटी चिकित्सालय की टीम दुर्गम पहाड़ी इलाके और खतरनाक रास्तों से होते हुए 12 किमी दूर एक सुदूर पहाड़ी गाँव पर पहुंची, जहां की आजादी के बाद से अभी तक किसी भी स्वास्थ्य टीम ने कभी कदम नहीं रखा।

जब अधिकांश निजी चिकित्सकों और सरकारी चिकित्सालयों ने ओपीडी सहित अपनी सेवाओं में कटौती की थी, तब भी हमारे ओपीडी, आपातकालीन और सामुदायिक चिकित्सा शिविरों ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी ताकत से बरकरार रखा।

कोविड समय के दौरान एक और उपलब्धि स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला के अल्ट्रासाउंड विभाग द्वारा हासिल की गई, जिसने विशेष TIFFA (भ्रूण विसंगतियों / जन्मजात विकलांगता की पूर्व जांच) स्कैन सहित चिकित्सालय के इतिहास में अब तक के सबसे अधिक अल्ट्रासाउंड स्कैनिंग करने का कीर्तिमान स्थापित किया। उल्लेखनीय यह है कि आसपास के किसी भी अन्य चिकित्सालय में TIFFA स्कैन की सुविधा प्रदान नहीं की जाती है।

यह बड़े ही गर्व की बात है की SVHM सोसाइटी प्रत्येक तिमाही और वर्ष के साथ नए-नए आयाम स्थापित करती जा रही है।

तिमाही आंकड़े :समस्त SVHM चिकित्सालयों के (माह अनुसार)

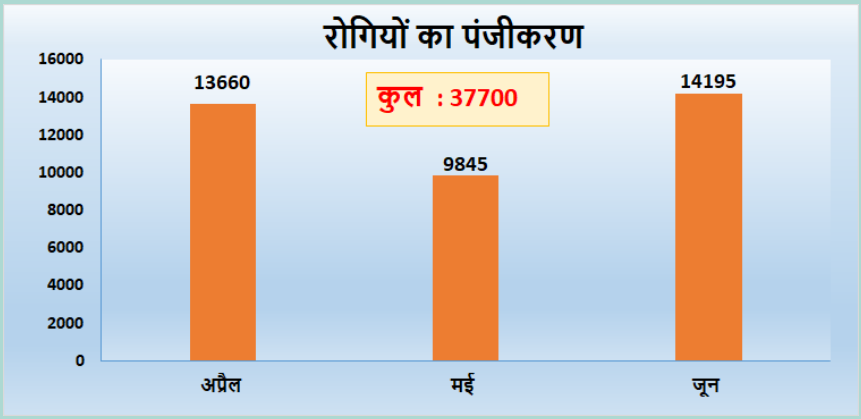

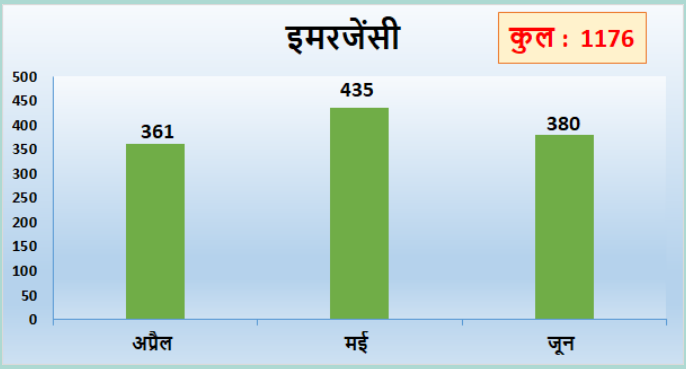

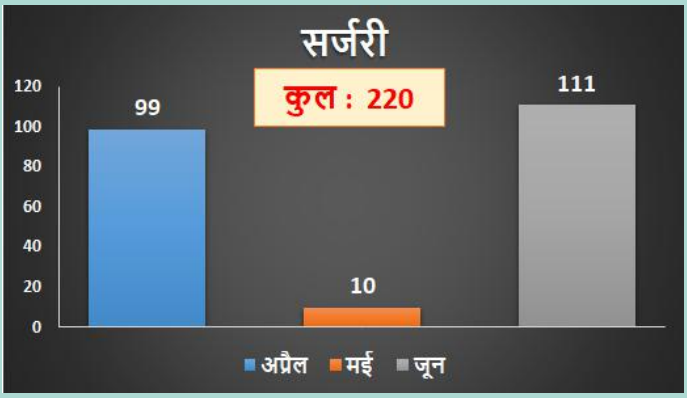

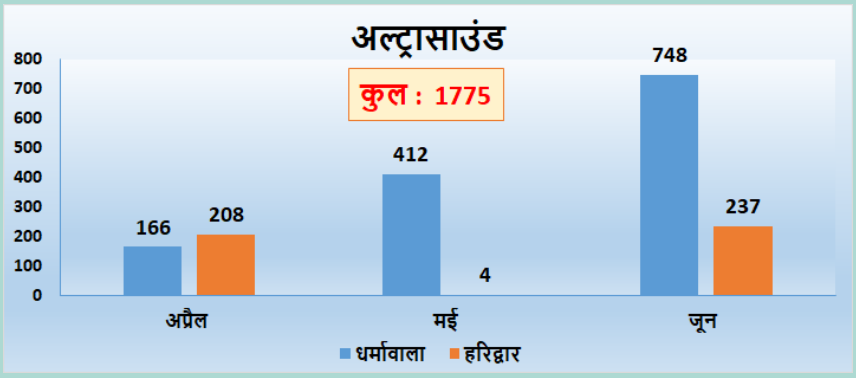

अल्ट्रासाउंड की सुविधा केवल धर्मावाला एवं हरिद्वार के चिकित्सालयों में उपलब्ध है

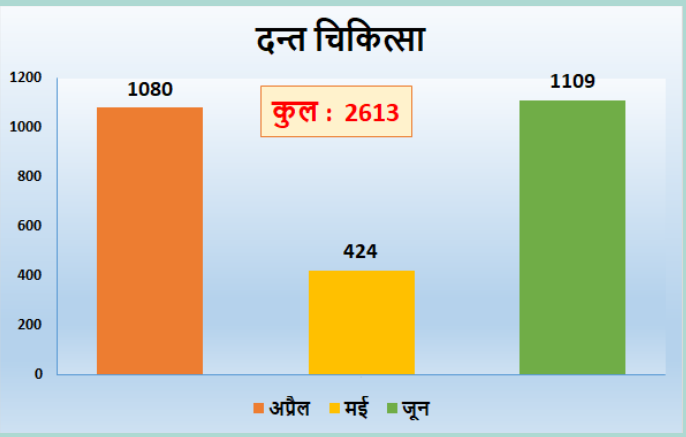

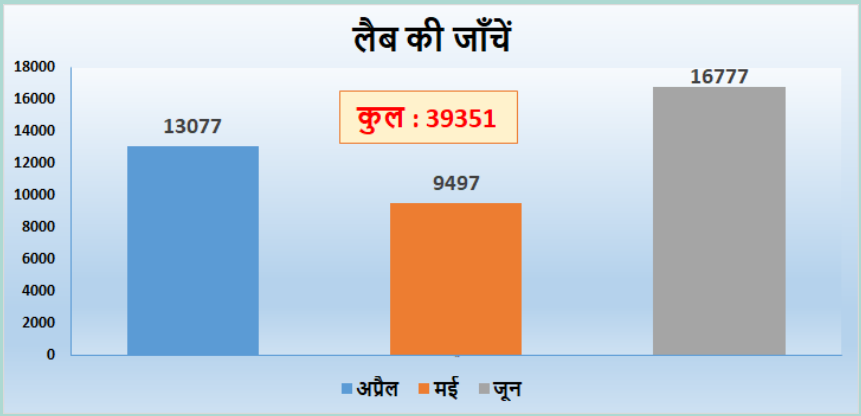

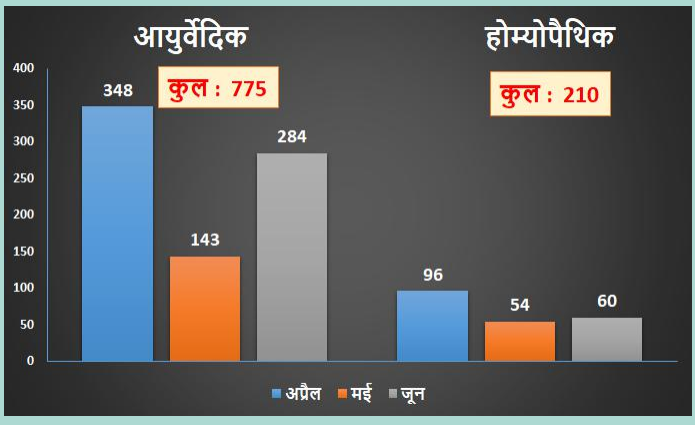

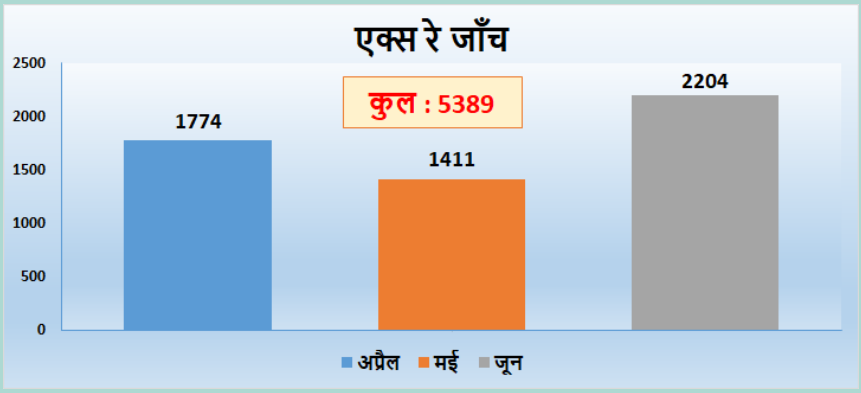

सुविधाएँ जो केवल धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध हैं

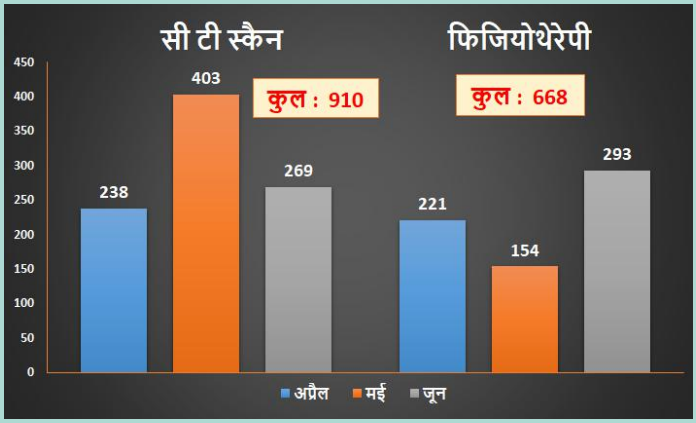

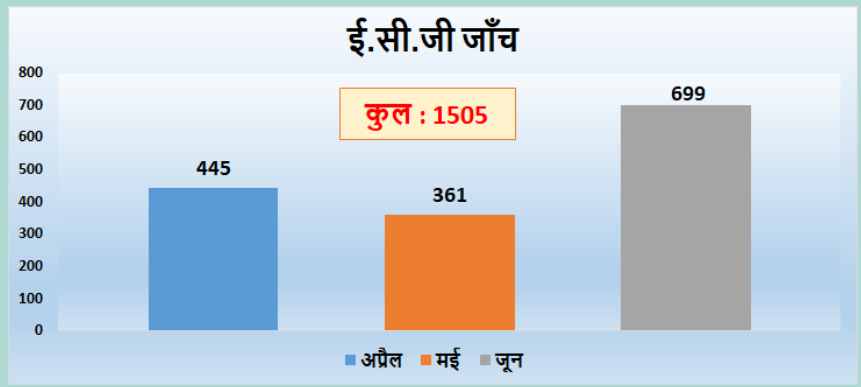

तिमाही आंकड़े (चिकित्सालय अनुसार)

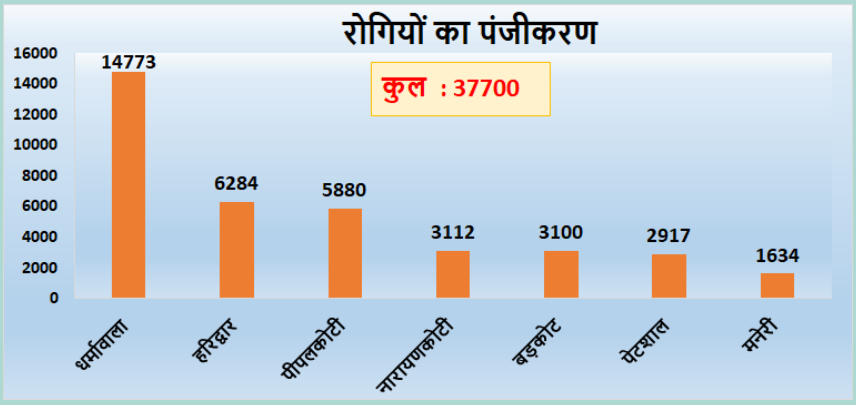

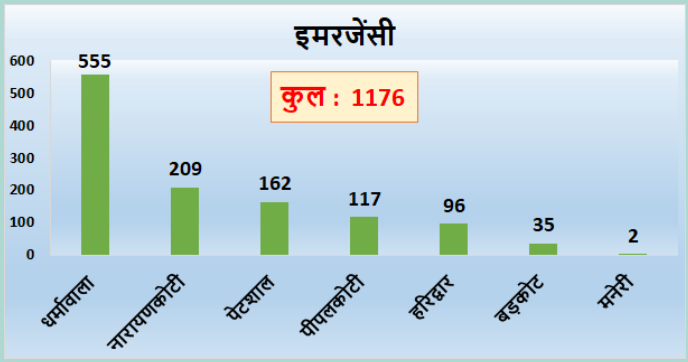

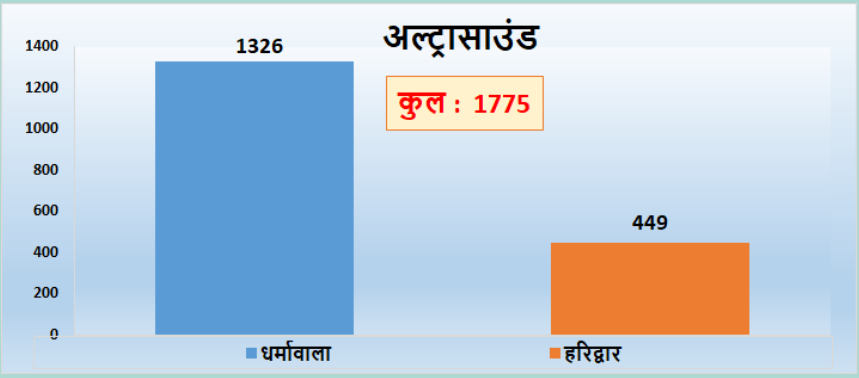

अल्ट्रासाउंड की सुविधा केवल धर्मावाला एवं हरिद्वार के चिकित्सालयों में उपलब्ध है

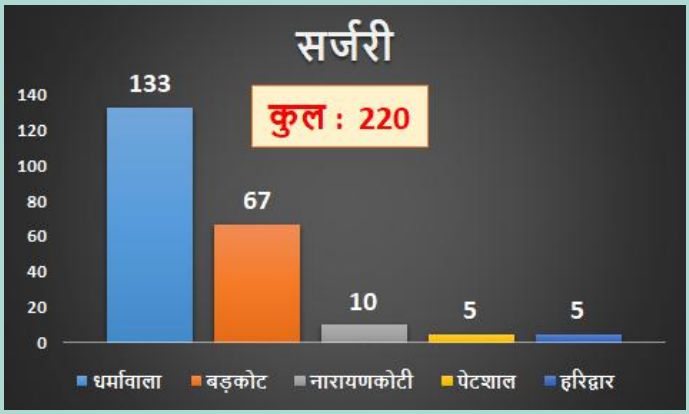

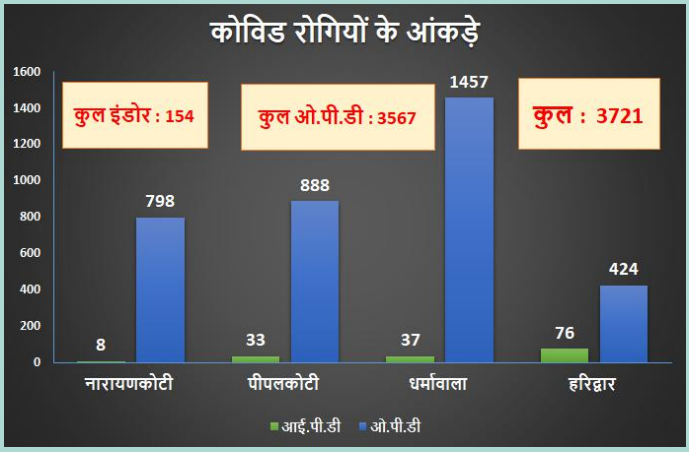

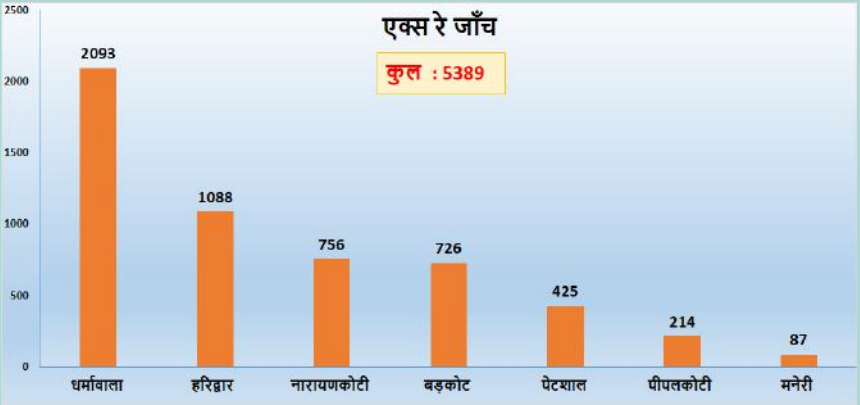

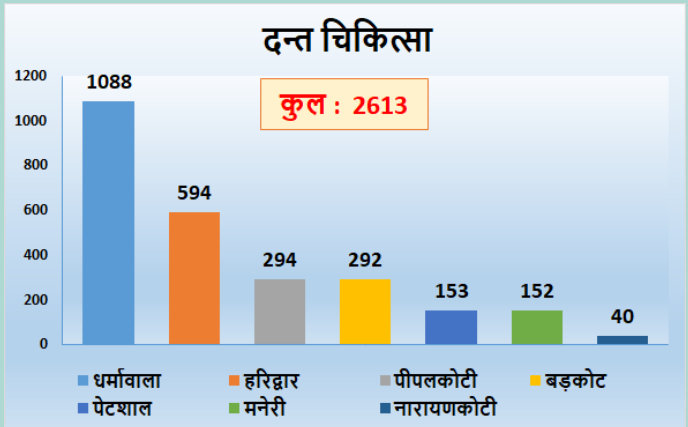

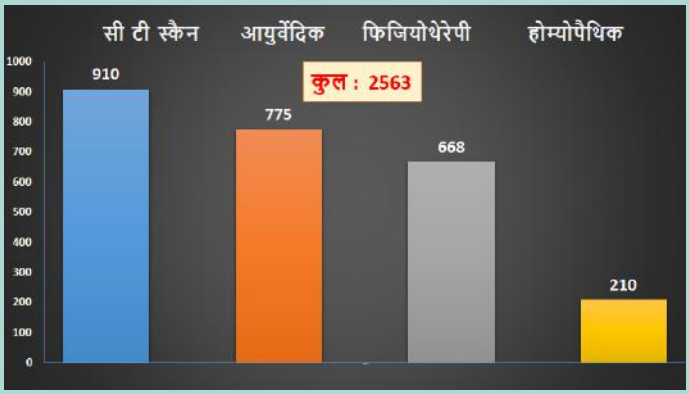

सुविधाएँ जो केवल धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध हैं

कोविड के समय में सोसाइटी की पहल

SVHM सोसाइटी हमेशा उत्तराखण्ड राज्य में किसी भी तरह की आपदाओं के समय में अपनी एक अहम भूमिका निभाते हुए जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करती रही है।

धर्मावाला, हरिद्वार ,पीपलकोटी और नारायणकोटी बने कोविड हॉस्पिटल

उद्घाटन

हरिद्वार

कोविड वार्ड का उद्घाटन स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी महाराज (महंत प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम) एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों : श्री मदन कौशिक जी (प्रान्त अध्यक्ष, भाजपा), श्री सी. रविशंकर (डीएम, हरिद्वार) और डॉ. एस.के. झा (सीएमओ, हरिद्वार) की उपस्थिति में किया गया।

नारायणकोटी

डीएम रुद्रप्रयाग श्री मनुज गोयल और सीएमओ रुद्रप्रयाग, डॉ. बी. के. शुक्ला की उपस्थिति में कोविड वार्ड का उद्घाटन किया गया।

कोविड केयर

धर्मावाला : कोविड मरीज की जाँच करते हुए चिकित्सक

हरिद्वार : दैनिक "ॐ " का उच्चारण

कोविड देखभाल में रोगी - नारायणकोटी

धर्मावाला : कोविड रोगियों के लिए फिजियोथेरेपी सत्र

कुल रोगियों की संख्या	154
उपचारित	115
मृत्यु	04
रेफरल	35

धर्मावाला : एक घरेलू एहसास - भोजन की बर्बादी से बचने के लिए चिकित्सालय के कर्मचारियों द्वारा परोसा जा रहा भोजन

कोविड देखभाल में रोगी - पीपलकोटी

कोविड देखभाल में रोगी - पीपलकोटी

हरिद्वार : कोविड रोगी की स्वास्थ्य प्रगति लेते हुए चिकित्सक

ओ.पी.डी में देखे गए कोविड रोगियों की कुल संख्या : 2279

कोविड के समय में सोसाइटी की पहल

प्राथमिक स्तर के हस्तक्षेप / रोकथाम : PRIMARY LEVEL PREVENTION

कोविड उपयुक्त व्यवहार सुनिश्चित करना

- मास्क का प्रयोग
- हाथों को नियमित रूप से साबुन से धोना
- हैण्ड सैनिटाइजर का नियमित उपयोग
- सामाजिक दूरी का पालन
- चिकित्सालय परिसर का नियमित विसंक्रमण
- हाथों को धोने के लिए अतिरिक्त वाश बेसिन लगाने का काम

जागरूकता

- कोविड से बचाव सम्बंधित सामग्री का वितरण
- चिकित्सालय में प्रमुख स्थानों पर कोविड से बचाव सम्बंधित जानकारी के पोस्टर
- प्रत्येक स्टाफ द्वारा W.H.O. का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स किया गया : उभरते श्वसन वायरस COVID-19 के सहित: पता लगाने, रोकथाम, प्रतिक्रिया और नियंत्रण के लिए तरीके वाला पाठ्यक्रम पूरा करवाया

निः शुल्क कोविड टीकाकरण

- धर्मावाला बना एक निः शुल्क कोविड टीकाकरण केंद्र
- स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) को धर्मावाला चिकित्सालय में कोविड टीकाकरण हेतु जगह व अन्य सहयोग दिया गया
- SVHM चिकित्सालय के सभी स्टाफ को कोविड की दोनों डोज लगवाई गयी

माध्यमिक स्तर के हस्तक्षेप / रोकथाम: SECONDARY LEVEL PREVENTION

चिकित्सालय स्तर

- अलग फ्लू ओपीडी का संचालन जिसमे की फ्लू जैसे लक्षण वाले रोगियों को देखा गया
- समस्त स्टाफ का ड्यूटी आने पर व ड्यूटी से वापस जाने के समय उनके शरीर के तापमान और SPO2 स्तर की अनिवार्य जांच और अस्वस्थ होने की दशा में उपचार और अन्य सावधानियां

समुदाय स्तर

- ग्रामीण व बाहरी शहरी क्षेत्रों में चिकित्सीय शिविरों का आयोजन
- कोविड उपयुक्त व्यवहार के बारे में इन शिविरों में जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए
- इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य शिक्षा एवं कोविड से सम्बंधित महत्वपूर्ण सन्देश व जानकारियाँ पर्चों के माध्यम से दी गई

अन्य

- RTPCR टेस्ट करवाके जरूरतमंद रोगियों के ऑपरेशन प्रारम्भ किए गए
- सभी लैब जाचें होती रही
- सभी एक्स रे,अल्ट्रासाउंड व सी टी स्कैन भी चलते रहे

तृतीयक स्तर के हस्तक्षेप / रोकथाम: TERTIARY LEVEL PREVENTION

चिकित्सालय स्तर

- 4 चिकित्सालयों को कोविड रोगियों के इलाज के लिए परिवर्तित कर दिया गया
- समस्त चिकित्सालयों के ओपीडी और इमरजेंसी में कोविड / कोविड जैसे लक्षण वाले रोगी देखे जा रहे थे
- कोविड / कोविड जैसे लक्षण से सम्बंधित सभी लैब और अन्य आवश्यक जांचें जैसे की एक्स रे और सी टी स्कैन * भी नियमित की जा रही

चिकित्सीय पुनर्वास

- कोविड से उभरने के बाद होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की ओपीडी शुरू करी गई
- नियमित फिजियोथेरेपी
- कोविड से बचाव सम्बंधित जानकारी के जागरूकता सत्रों व स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों का नियमित आयोजन
- पोस्टर व पर्चों के माध्यम से कोविड से बचाव सम्बंधित जानकारी का प्रसार

अन्य कदम

- कोविड रोगियों के उपचार में समग्र (होलिस्टिक) पद्धति का उपयोग उदहारण के लिए नियमित ॐ का उच्चारण, प्रेरणादायक कथाएँ एवं पूर्णतः स्वस्थ होकर गए रोगियों के अनुभव और वृतान्त

अप्रैल से जून 2021 तक कोविड संदिग्ध/ पीड़ित रोगियों के धर्मावाला चिकित्सालय में कुल 910 HRCT स्कैन किए गए।

धर्मावाला (12) एवं हरिद्वार (1) मिलाकर कुल 13 सुपर स्पेशलिटी एवं मल्टी स्पेशलिटी शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 2212 लोग लाभान्वित हुए

हरिद्वार : पोस्ट कोविड लंग फाइब्रोसिस एवं हृदय रोग शिविर के रोगी

हरिद्वार : डॉ. राहुल चंदोला, हृदय एवं फेफड़े रोग के सर्जन, मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली

धर्मावाला : शिविर ओपीडी - जनरल सर्जन : डॉ. प्रशांत गुप्ता और डॉ. अनुराग आनंद, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा

धर्मावाला : डॉ. प्रशांत लावानिया (प्रोफेसर एवं यूरोलोजिस्ट, एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा) के नेतृत्व में यूरोसर्जरी

कुल 36 शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 58 गाँव एवं 9 क्षेत्रों से कुल 2526 लोग लाभान्वित हुए

पीपलकोटी, नारायणकोटी, पेटशाल एवं हरिद्वार

01-06-2021: किसान नगर ग्राम, पीपलकोटी

27-05-2021: किमाणा गाँव, पीपलकोटी

28-06-2021: सुपाई गाँव, पेटशाल

28-06-2021: सुपाई गाँव, पेटशाल

26-05-2021: अन्द्रवाडी गाँव, नारायणकोटी

27-05-2021: मक्कू गाँव, नारायणकोटी

09-06-2021: जगन्नाथधाम आश्रम, हरिद्वार

12-06-2021: रविदास बस्ती, हरिद्वार

11-06-2021: सूरतगिरी बंगला आश्रम, हरिद्वार

सामुदायिक महिला स्वास्थ्य कार्यक्रम

एनीमिया कार्यक्रम के लाभार्थी दी गई दवाएं एवं एनीमिया से बचाव सम्बंधित मार्गदर्शिका (Booklet) लिए हुए

एनीमिया कार्यक्रम

- संपर्क किए गए लाभार्थियों की संख्या : 209
- कुल खून में हीमोग्लोबिन level की जांचें : 183
- एनीमिक पाए गए : 96
- उपचार के अंतर्गत : 88

नोट: ऊपर उल्लिखित डाटा अप्रैल और जून माह का है

एनीमिया कार्यक्रम के अंतर्गत लाभार्थीयों की हीमोग्लोबिन जाँच होते हुए

स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर का जागरूकता, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम

"कैंसर से दो कदम आगे - चिकित्सा से सावधानी भली"

- संपर्क किए गए लाभार्थियों की संख्या: 15
- कुल स्क्रीनिंग : 10

नोट: ऊपर के आंकड़े केवल जून माह के है

धर्मावाला चिकित्सालय में परामर्श के तहत महिला स्वास्थ्य परियोजना के लाभार्थी

स्तन एवं बच्चेदानी के कैंसर का जागरूकता सत्र

My Pad (Menstrual Hygiene) कार्यक्रम

"मेरी पहचान - खुद को जाने, खुद को पहचाने"

- मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम के संबंध में व्यक्तिगत परामर्श (counselling) सत्र में भाग लेने वाली किशोरियों और मासिक धर्म वाली महिलाओं की संख्या : 31
- कुल माय पैड लाभार्थियों की संख्या : 14

नोट: ऊपर के आंकड़े केवल जून माह के है

My Pad (मासिक धर्म स्वच्छता) का जागरूकता सत्र

My Pad कार्यक्रम के लाभार्थी

उल्लेखनीय घटनाएँ

सभी SVHM चिकित्सालयों में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिद्वार

अल्ट्रासाउंड विभाग : धर्मावाला

दृढ़ प्रयास और संकल्प के साथ नई ऊंचाई की ओर

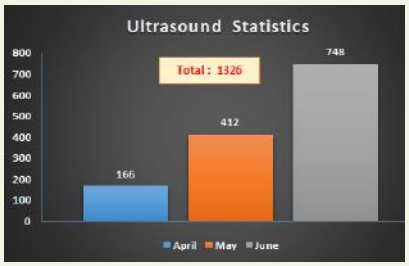

धर्मावाला चिकित्सालय के अल्ट्रासाउंड विभाग ने इस तिमाही में विभाग को गौरवान्वित करते हुए एक इतिहास रच दिया जब विभाग के द्वारा अभी तक के सबसे अधिक अल्ट्रासाउंड (748) जून माह में किये गए।

इन अल्ट्रासाउंड स्कैनों में TIFFA (भ्रूण विसंगतियों / जन्मजात विकलांगता की पूर्व जांच) स्कैन भी शामिल हैं जो कि विकासनगर ब्लॉक सहित धर्मावाला के आसपास के इलाकों में कहीं भी और उपलब्ध नहीं है। उच्च कोटी एवं कम कीमत पर उपलब्ध अल्ट्रासाउंड की यह विशेष सुविधाएँ समुदाय, विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही हैं ।

कुल TIFFA (लेवल II) स्कैन): 150

धर्मावाला और उसके आसपास स्थित सरकारी और निजी चिकित्सालय नियमित रूप से रोगियों व गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए हमारे पास रेफर कर रहे हैं।

नेत्र कुंभ केंद्र
हरिद्वार

नेत्र कुंभ में रोगियों की जाँच और इलाज के अलावा चश्में भी निःशुल्क वितरित किए गए ।

लाभार्थियों की संख्या : 2278

वितरित किए गए चश्मों की संख्या : 1914

डॉ. नीरज सारस्वत (नेत्र रोग विशेषज्ञ)

पंजीकरण

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस (12 मई) का समारोह
धर्मावाला

छत्रपति शिवाजी महाराज दिवस (6 जून) को मनाया गया
पीपलकोटी

Agarwal and Gupta The Egyptian Journal of Otolaryngology (2021) 37:68
https://doi.org/10.1186/s43163-021-00152-7

The Egyptian Journal of Otolaryngology

CASE REPORT Open Access

Nasopharyngeal hirudiniasis: a hidden culprit—a case report

Shreya Agarwal and Nimish Gupta*

Abstract

Background: Leech infestation in the nose or nasopharyngeal region is a rare occurence. The most common known cause is drinking water from natural water sources like ponds and rivers. Its hidden location of attachment in the nasopharynx and its uncommon occurence make it easy to miss during diagnosis.

Case presentation: We present a case of a 61-year-old male patient with recurrent unilateral epistaxis without any apparent cause. He was diagnosed with leech infestation in the nasopharynx on endoscopic examination. This article reports the management of nasopharyngeal leech infestation and safety measures for this animate foreign body retrieval.

Conclusion: A vigilant approach, thorough history, and examination are a must. Though leeches are simple to remove most of the time, certain necessary precaution should be kept in mind for better management and prevention of further complications.

Keywords: Case report, Nasopharyngeal hirudiniasis, Leech infestation, Epistaxis, Nasal stuffiness

SpringerOpen

अंतरराष्ट्रीय जर्नल / journal में प्रकाशित हुआ SVHM की सर्जिकल प्रक्रिया

Nasopharyngeal hirudiniasis: a hidden culprit-एक केस रिपोर्ट - धर्मावाला

The Egyptian Journal of Otolaryngology volume 37, Article number: 68 (2021)

डॉ. श्रेया अग्रवाल (ई.एन.टी. सर्जन) और डॉ. निमिष गुप्ता (ओरल एवं मैक्सिलो फेशियल सर्जन) ने 22-03-2021 को धर्मावाला चिकित्सालय में उनके द्वारा की गई जोंक निकालने की सर्जिकल प्रक्रिया पर आधारित एक शोध (Springer Paper) पेपर प्रकाशित किया।

कोविड टीकाकरण एवं परीक्षण
धर्मावाला एवं हरिद्वार

धर्मावाला कुल टीकाकरण : 5,154

धर्मावाला कुल RTPCR and RAT : 125

हरिद्वार कुल RTPCR and RAT : 122

कोविड (कोविशील्ड) टीकाकरण

कोविड परीक्षण

मददगार हाथ

धर्मावाला : सेवा इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा 8 वेंटिलेटर (ventilator) दान किए गए ।

धर्मावाला : श्री सहदेव सिंह पुंडीर (भाजपा विधायक, सहसपुर विधानसभा, जिला देहरादून) ने रोगियों के लिए 10 बिस्तरों के साथ 10 आई/वी स्टैंड, चादरें और तकिए के कवर दान किए।

हरिद्वार : सिडकुल इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, हरिद्वार ने चार ऑक्सीजन Concentrators और चार अत्याधुनिक ईसीजी मॉनिटर दान किए।

पीपलकोटी : आगाज़ फाउंडेशन, पीपलकोटी ने एक ऑक्सीजन Concentrator दान दिया

स्वैच्छिक सेवा

हरिद्वार : डॉ. संदीप बंसल (जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन) एवं डॉ. सी.बी. वर्मा (एनेस्थेटिस्ट) ओ.टी. टीम के साथ सर्जरी करते हुए

धर्मावाला : डॉ. शैलेंद्र कुमार गोयल (यूरोलॉजिस्ट एवं डायरेक्टर-यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट), मैक्स हेल्थ केयर, नोएडा एवं वैशाली

हरिद्वार : डॉ. नरेंद्र सिंह चौहान (जनरल सर्जन) एवं डॉ. सी.बी. वर्मा (एनेस्थेटिस्ट) ओ.टी. टीम के साथ सर्जरी करते हुए

उत्कृष्ट उदाहरण (कुछ)

आयुर्वेद विभाग धर्मावाला

पेम्फिगस वल्गरिस केस

आयुर्वेद विभाग में पेम्फिगस वल्गरिस (त्वचा का एक रोग) की शिकायत के साथ एक 19 वर्षीय पुरुष रोगी पहुँचा । वह पिछले 5 वर्षों से इस दुर्लभ ऑटोइम्यून (autoimmune) विकार से पीड़ित था, कई क्लीनिकों और चिकित्सालयों में परामर्श लेने के बाद भी उसे राहत नहीं मिली। पेम्फिगस वल्गरिस रोग में त्वचा पर दर्दनाक फफोले बन जाते हैं ।

रोगी का इलाज आयुर्वेदिक दवायों, जड़ी बूटी युक्त स्नान और सिट्ज़ बाथ (sitz bath) पद्यति से किया गया। लगभग दो महीने के समय में पुराने घाव ठीक होने लगे, नए घाव बनने बंद हो गए और ठीक हुए घावों की पुनरावृत्ति भी रुक गई। लगभग पांच महीनों के बाद रोगी काफी हद तक ठीक हो गया अर्थात कहीं भी नया घाव उत्पन्न नहीं हुआ और न ही किसी पुराने घाव की पुनरावृत्ति हुई ।

उपचार से पूर्व

उपचार के पांच महीने पश्चात

हरिद्वार

एक कोविड संदिग्ध पुरुष रोगी सांस की तकलीफ में 64% के कम SPO2 (ऑक्सीजन) स्तर और HRCT स्कोर 21/25 के साथ आया। सभी दवाओं और देखभाल के साथ, उन्हें ऑक्सीजन के उच्च प्रवाह (24 लीटर/मिनट) पर रखा गया था।

एक अन्य कोविड संदिग्ध महिला रोगी 54% के SPO2 (ऑक्सीजन) स्तर के साथ सांस की तकलीफ में हमारे चिकित्सालय पहुंची, उसका HRCT स्कोर भी 21/25 था। सभी दवाओं और देखभाल के साथ, उसे इसी तरह ऑक्सीजन के बहुत उच्च प्रवाह (24 लीटर/मिनट) पर रखा गया था।

उल्लेखनीय है की यह दोनों रोगी अत्यंत गंभीर अवस्था में लाये गए थे व उनके जीवित बचने की संभावनाएं बहुत कम थी, परन्तु हरिद्वार चिकित्सालय की टीम द्वारा की गई सेवा और देखभाल से पूरी तरह से स्वस्थ एवं सामान्य होकर चिकित्सालय से विदा हुए ।

स्वस्थ हुए कोविड रोगी को हर्षपूर्वक विदा किया गया।

धर्मावाला

एक 70 वर्षीय पुरुष कोविड रोगी जिसका ऑक्सीजन लेवल निम्न स्तर पर था,सांस लेने में कठिनाई एवं फेफड़ों में गंभीर संक्रमण हो गया था (SpO2: 65%)

तथा

एक 40 वर्षीय पुरुष कोविड रोगी जिसका भी ऑक्सीजन लेवल निम्न स्तर पर था, सांस लेने में कठिनाई एवं फेफड़ों में गंभीर संक्रमण हो गया था (SpO2: 78%)

उल्लेखनीय है की यह दोनों रोगी भी अत्यंत गंभीर अवस्था में लाये गए थे व उनके भी जीवित बचने की संभावनाएं बहुत कम थी, परन्तु धर्मावाला चिकित्सालय टीम द्वारा की गई सेवा और देखभाल से पूरी तरह से स्वस्थ एवं सामान्य होकर चिकित्सालय से विदा हुए ।

कोविड रोगियों की जाँच करते चिकित्सक

गर्भाशय/बच्चेदानी की रसौली (UTERINE FIBROID) की सर्जरी : धर्मावाला

कालसी की एक 32 वर्षीय अविवाहित महिला रोगी गत एक वर्ष से पेट में सूजन और पिछले डेढ़ महीने से मासिक धर्म में अनियमितता की शिकायत के साथ चिकित्सालय के ओपीडी में आयी। साथ ही, उसे काफी कमजोरी और थकान की अतिरिक्त शिकायतें भी थीं। खून की जाचं करने पर उसका हीमोग्लोबिन का स्तर 2.6 gm% पाया गया जो की गंभीर एनीमिया की श्रेणी में आता था। अल्ट्रासाउंड करने पर उसके गर्भाशय में एक बड़े आकार की रसौली (Uterine Fibroid) का पता चला। ऐसे में ऑपरेशन द्वारा गर्भाशय की रसौली को पूरी तरह से निकालना ही रोगी के लिए सर्वोत्तम उपचार प्रतीत हो रहा था ।

अत्यंत गरीब सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि से होने के कारण वह किसी भी अन्य निजी चिकिसालय में उपचार का खर्च उठाने में असमर्थ थी। रोगी की परिस्थिति को देखते हुए हमारे चिकित्सालय ने उसे भर्ती कर लिया गया एवं 6 यूनिट रक्त की व्यवस्था कर उसे रक्त चढ़ाया गया। यह सुनिश्चित किया गया ऑपरेशन से पूर्व उसका हीमोग्लोबिन सुरक्षित स्तर तक आ जाए और ऑपरेशन की प्रक्रिया की जा सके ।

संतोषजनक हीमोग्लोबिन स्तर और कोविड 19 नेगेटिव जांच सहित अन्य नियमित ऑपरेशन पूर्व जांचों में फिट पाए जाने के बाद डॉ. नरेंद्र चौहान और डॉ. वैभव प्रताप सिंह की सर्जरी टीम रोगी का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। इसमें एनेस्थीसिया डॉ. सी.बी. वर्मा द्वारा दिया गया। दो घंटे से अधिक समय तक चले इस ऑपरेशन के बाद रोगी के पेट से लगभग 5.5 किलो वजन की रसौली को निकाला गया। ऑपरेशन के बाद रोगी पूरी तरह से स्वस्थ रही और हमारे चिकित्सालय द्वारा फिर से एक बहुमूल्य जीवन की रक्षा की गयी । ऑपरेशन सहित रोगी का पूरा उपचार निःशुल्क किया गया।

जनरल सर्जन: डॉ. एन. एस. चौहान, डॉ. वैभव प्रताप सिंह और एनेस्थेटिस्ट डॉ. सी. बी. वर्मा, ओ.टी. टीम के साथ गर्भाशय की रसोली का ऑपरेशन करते हुए

नर सेवा नारायण सेवा

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड

तिमाही वृतांत
अप्रैल - जून '2021

आपका अमूल्य दान है एक वरदान :
स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी
खाता संख्या: 32584491256
आई एफ एस सी कोड: SBIN0010626
शाखा का नाम: सी एस टी हरबर्टपुर, देहरादून

https://svhmuk.in
https://twitter.com/svhmuk
https://www.instagram.com/svhmuk/
svhmuk@gmail.com

सभी दान आयकर अधिनियम, *1961* की धारा *80G* के तहत कर-मुक्त हैं।

धर्मावाला, देहरादून

मनेरी, उत्तरकाशी

नारायणकोटी, रुद्रप्रयाग

बड़कोट, उत्तरकाशी

पीपलकोटी, चमोली

बद्रीनाथ धाम, चमोली

पेटशाल, अल्मोड़ा

केदारनाथ धाम, रुद्रप्रयाग

हरिद्वार